सक्सेस मिरर

वर्ष : 5
अंक : 57
अक्टूबर : 2014

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

7 | परिवर्तन को स्वीकार करें
8 | समसामयिकी घटना संग्रह
9 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

19 | आर्थिक घटना संग्रह

- सेबी ने के.वाई.सी. पंजीकरण एजेंसी (दूसरा संशोधन) विनियम, 2014 जारी किया
- केन्द्र सरकार ने कॉनकॉर को नवरत्न का दर्जा दिया
- आर.बी.आई. ने भारत बिल भुगतान प्रणाली के कार्यान्वयन हेतु दिशा–निर्देश का मसौदा जारी किया
- टाटा समूह भारत का सबसे कीमती ब्रांड रहा

24 | राष्ट्रीय घटना संग्रह

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने युद्धपोत आई.एन.एस. कोलकाता राष्ट्र को समर्पित किया
- प्रतिभूति कानून संशोधन विधेयक, 2014 लोक सभा में पारित
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 765 केवी राँची–धर्मजयगढ़–सीपत ट्रांसमिशन लाइन राष्ट्र को समर्पित की

28 | अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- डब्ल्यूएचओ ने इबोला को वैश्विक स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित किया
- इस्लामी आतंकवादियों के खिलाफ अमरीका का इराक में हवाई हमला

31 | खेल खिलाड़ी

- हिमाचल प्रदेश को पहली बार मिली पैरा ग्लाइडिंग विश्व कप की मेजबानी
- 20वें राष्ट्रमंडल खेलों का रंगारंग समापन
- कुश्ती में भारत को मिले पाँच स्वर्ण पदक
- आईसीसी की टेस्ट रैंकिंग में आर. अश्विन नम्बर वन टेस्ट ऑल राउंडर बने, भारत चौथे स्थान पर फिसला

35 | महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

38 | समसामयिकी लेख : गंगा में प्रदूषण : एक रिपोर्ट
39 | पर्यावरणीय लेख : वर्षा जल भण्डारण का महत्व एवं उपाय
40 | कैरियर लेख : आई.बी.पी.एस. : बैंक क्लर्क–विधिवत् तैयारी से मिलेगी सफलता
82 | बिहार कर्मचारी चयन आयोग (अमीन परीक्षा) के लिए विशेष
86 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता
88 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक 54 का परिणाम
90 | रोजगार अवसर

हल प्रश्न-पत्र

आगामी आईबीपीएस द्वारा आयोजित बैंक क्लर्क सम्मिलित लिखित परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

42 | तर्कशक्ति परीक्षा
45 | General English
48 | आंकिक क्षमता
51 | सामान्य सचेतता
54 | कम्प्यूटर ज्ञान
56 | एस.एस.सी. मल्टी–टास्किंग (गैर–तकनीकी) स्टाफ भर्ती परीक्षा, 2014
66 | आर.आर.सी. (कोलकाता) ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2013
72 | उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2014 (प्रथम प्रश्न-पत्र : कक्षा I-V के लिए)

➲ सम्पादक : महेन्द्र जैन
➲ रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ सम्पादकीय ऑफिस
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330, 4031570
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in
➲ दिल्ली ऑफिस
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844/66
➲ हैदराबाद ऑफिस
1-8-1/B, आर. आर. कॉम्प्लेक्स
बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद–500 044
फोन– 040-66753330
मो– 09391487283
➲ पटना ऑफिस
पीरमोहनी चौक, कदमकुआँ
पटना–800 003
फोन–0612-2673340
मो–09334137572
➲ कोलकाता ऑफिस
28, चौधरी लेन, श्याम बाजार
कोलकाता– 700 004
फोन– 033-25551510
मो– 07439359515
➲ लखनऊ ऑफिस
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी 'सक्सेस मिरर' की नहीं है.

परिवर्तन को स्वीकार करें

जीवन और जगत्, नभ-थल-जल, दिन और रात सब कुछ परिवर्तनशील है. वस्तुतः गति ही जीवन है.

''परिवर्तन से क्या घबराना,
परिवर्तन ही जीवन है।
धूप-छाँव के उलट-फेर में,
हम सबका शक्ति परीक्षण है।''

हम सभी अपनी जिन्दगी में निरन्तर बहुत सारे परिवर्तनों को महसूस करते हैं. अनेक परिवर्तन इस प्रकृति में हो रहे हैं. मौसम बदलते हैं. अनेक परिवर्तन हमारे शरीर में प्रतिपल हो रहे हैं.

सूर्योदय और सूर्यास्त नित्य ही होता है, लेकिन किसी एक निश्चित समय पर नहीं होता. धूप नित्य ही निकलती है, लेकिन उसकी तपिश एक जैसी नहीं होती. फसल हर साल बोयी जाती है, लेकिन उसकी उपज का स्तर एक जैसा नहीं होता. नदियाँ अविरल रूप से बहती हैं, लेकिन उनके जल की गति प्रायः बदलती रहती है. ठीक इसी प्रकार मानव का चंचल मन प्रेम, दया, करुणा, परोपकार, सहयोग और समर्थन की भावना के बीच सतत रूप से विचलित होता रहता है. व्यक्ति के भीतर काम-क्रोध-मद-मोह-लोभ की भावनाएं भी बदलती रहती हैं. इन सबके बीच अनेक परिवर्तन हमारे मन में हो रहे हैं. हमारे चित्त में हो रहे हैं और अनेक परिवर्तन हमसे सम्बन्धित पूरी दुनिया में, हमारे रिश्तों में, हमारे परिवार के लोगों में हो रहे हैं. हम अक्सर इन परिवर्तनों को ले करके कहीं-न-कहीं प्रतिरोध कर रहे होते हैं और जब-जब हमारे मन में उन परिवर्तनों के साथ प्रवाहित होने की भावना नहीं होती, जब-जब हम परिवर्तनों के साथ लयबद्ध नहीं होते, संगीतपूर्ण नहीं होते, तब-तब हम उन परिवर्तनों से परेशान हो उठते हैं.

''हालात न बदलें तो इस बात पे रोना।
बदलें तो बदले हुए हालात पे रोना।''

–शुजाय खावर